दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7 | 3 बिट्टू ने मारा बल्ला... आयुष ने कुल्हाड़ी से काटा | 5 छात्रों, खिलाड़ियों का आदान प्रदान बढ़ाएंगे भारत–रूस | 8 अश्विन की जुबान फिसली!

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 24 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 08 दिसम्बर,2025

भारत और रूस के बीच कई अहम समझौत हुए

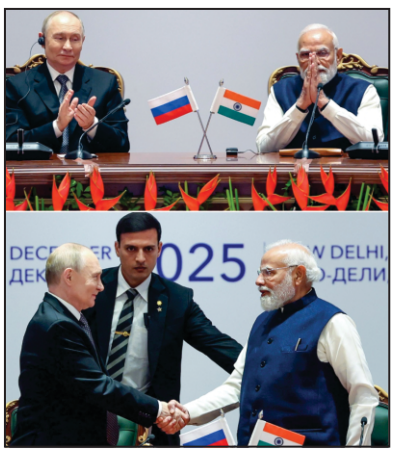

श्रमिकों की आवाजाही, यूरिया उत्पादन, परमाणु ऊर्जा, भारत–रूस के बीच 7 समझौते

दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और रूस की दोस्ती की तुलना ध्रुव तारे से करते हुए शुक्रवार को कहा कि दोनों देश अपने आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। श्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति ब्लादीमीर पुतिन के साथ यहां हैदाबाद हाउस में 23वीं भारत–रूस वार्षिक शिखर बैठक के बाद एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बताया कि भारत आर्थिक क्षेत्र में रूस के साथ संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने को उच्च प्रथमिकाता देता है। उन्होंने कहा कि श्री पुतिन की इस यात्रा में दोनों देशों ने आर्थिक और व्यापारिक क्षेत्र, श्रमिकों की आवाजाही एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण, व्यापारिक मार्गों के विकास, जहाज निर्माण और नाविकों के लिए प्रशिक्षण, यूरिया उत्पादन, दुर्लभ खजिन, परमाणु ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा मानक, स्वास्थ्य सेवा एवं स्वास्थ्य शिक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर बल दिया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की बातचीत में दोनों पक्षों ने आर्थिक सहयोग के विस्तार के लिए 2030 तक का एक आर्थिक सहयोग कार्यक्रम बनाया है। श्री मोदी ने भारत रूस संबंधों पर कहा कि पिछले आठ दशकों में विश्व में अनेक उतार चढ़ाव आए हैं। मानवता को अनेक चुनौतियों और संकटों से गुजरना पड़ा है और इन सबके बीच भी भारत–रूस मित्रता एक ध्रुव तारे की तरह बनी रही है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के यह संबंध परस्पर सम्मान और गहरे विश्वास पर टिके हैं और समय की कसौटी पर हमेशा खरे उतरे हैं। श्री मोदी ने कहा कि भारत और रूस की कंपनियों के फोरम के माध्यम से दोनों के आर्थिक एवं व्यवसायिक संबंधों को नई ताकत मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि यह मंच हमारे व्यावसायिक संबंधों को नई ताकत देगा। इससे निर्यात, सह–उत्पादन और सह नवाचार के नए दरवाजे भी खुलेंगे। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि दोनों पक्ष भारत–यूरेशियन आर्थिक संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत शीघ्र पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं।

आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद: पुतिन

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान उन्हें भारत आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री के साथ बैठक के दौरान श्री पुतिन ने कहा कि प्रिय प्रधानमंत्री, प्रिय दोस्तों, सबसे पहले, निमंत्रण और कल की बहुत अच्छी शाम के लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। यूक्रेन मुद्दे पर शांति के प्रति रूस की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए श्री पुतिन ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत में चल रहे इस कामकाजी दिन से सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। उन्होंने रूस और भारत के बीच गहरे संबंधों का उल्लेख किया और यूक्रेनी मुद्दे को हल करने में मदद करने के लिए श्री मोदी के प्रयासों की सराहना की। रूसी राष्ट्रपति ने संभावित शांतिपूर्ण समाधान के संबंध में रूस और अमरीका की कार्रवाइयों के बारे में भी प्रधानमंत्री मोदी को सूचित करते हुए इस मसले में कूटनीति और बातचीत का उल्लेख किया। गौरतलब है कि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद श्री पुतिन की यह पहली भारत यात्रा है। यह ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देश तेजी से जटिल होते भू–राजनीतिक परिदृश्य से गुजर रहे हैं। रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के दबाव में है और भारत रूस के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों को संतुलित करते हुए अमरीका के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने की दिशा में काम कर रहा है। रूसी हथियारों और ऊर्जा आयात का सबसे बड़ा खरीदार होने के नाते, रूस के लिए भारत एक महत्वपूर्ण भागीदार बना हुआ है। रूस, भारत के लिए रक्षा प्रौद्योगिकी का एक भरोसेमंद स्रोत रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने BLOs के काम को कम करने की सलाह दी: राज्यों और केंद्र से कहा- अतिरिक्त कर्मचारी तैनात करें; SIR में लगे 29 BLO की मौत हो चुकी

पाकिस्तानी सेना बोली- इमरान मानसिक रूप से बीमार
वे गद्दारों की भाषा बोल रहे, देश के खिलाफ नरेटिव बना रहे; ढाई साल से जेल में बंद

खराब सिस्टम

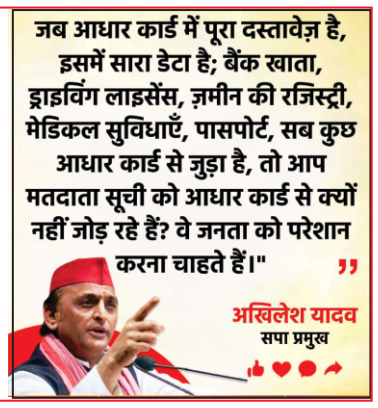

चेन्नई, अहमदाबाद... IndiGo की कई फ्लाइट्स रद्द, दिल्ली एयरपोर्ट की आई एडवाइजरी

दिल्ली,एजेंसी। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में आई भारी अव्यवस्था ने पूरे देश की हवाई यात्रा को बुरी तरह प्रभावित किया. दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर, इंदौर, कोच्चि और तिरुवनंतपुरम सहित कई एयरपोर्ट पर फ्लाइट कैंसिलेशन और देरी की वजह से हजारों यात्री घंटों फंसे रहे. देर रात दिल्ली एयरपोर्ट अथॉरिटीज ने एडवाइजरी जारी की है।

बांग्लादेशी रोहिंग्या की तैयार होगी सूची

गोरखपुर में बनेगा मंडलीय डिटेंशन सेंटर

गोरखपुर,संवाददाता। पहले भी बांग्लादेशी रोहिंग्या को चिन्हित करने के लिए सर्वे हो चुका है। अभी तक गोरखपुर में कोई नहीं मिला है। लेकिन, अब नए सिरे से सत्यापन और सर्वे कराने की तैयारी है। उधर, नगर निगम से कहा गया है कि ऐसे स्थान को चिन्हित करें जिसे डिटेंशन सेंटर के रूप में स्थापित किया जा सके। उस सेंटर में रहने के साथ ही भोजन और टॉयलेट की व्यवस्था रहेगी।शासन के निर्देश पर अब मंडल के चारों जिलों गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर और महराजगंज में बांग्लादेशी रोहिंग्या को चिन्हित किया जाएगा। इसके लिए पुलिस, प्रशासन और एलआईयू की संयुक्त टीमें लगाई जाएंगी। इसके साथ ही गोरखपुर में मंडलीय डिटेंशन सेंटर खोला जाएगा। इसके लिए कमिश्नर अनिल ढींगरा ने नगर निगम को जगह तलाशने का निर्देश दिया है। हालांकि, पहले भी बांग्लादेशी रोहिंग्या को चिन्हित करने के लिए सर्वे हो चुका है। अभी तक गोरखपुर में कोई नहीं मिला है। लेकिन, अब नए सिरे से सत्यापन और सर्वे कराने की तैयारी है।

सम्पादकीय

भारतीय रोजगार का करार

भारतीय कामगारों के लिए एक सुखद खबर है। रूस 10 लाख भारतीय कामगारों, कुशल और अर्द्धकुशल, को रोजगार देगा। भारत भी रूसी कामगारों को रोजगार के अवसर मुहैया कराएगा, लेकिन यह रूस की विकराल समस्या है। दोनों देशों के बीच 'श्रम गतिशीलता समझौता' तय हुआ है, उसी के तहत रूस भारतीयों को नौकरियां देगा। विदेश और श्रम मंत्रालयों ने इस करार की पुष्टि की है। मंत्री और मंत्रालय के स्तर पर शिखर संवाद हो चुका था। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच संवाद होने के बाद करार को हरी झंडी दे दी गई। अब यह यथाशीघ्र लागू हो जाएगा। रूस भारत के राजमिस्त्री, वेल्डर, आईटी इंजीनियर, नर्स के अलावा, निर्माण, तेल–गैस, कृषि, वस्त्र, बैंकिंग और स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में भी भारतीयों की सेवाएं लेगा। भारतीयों के रोजगार, नौकरियां सुरक्षित और कानूनन होंगी। कामगार एक देश से दूसरे देश में सहजता, सुगमता से आवाजाही कर सकेंगे। यही इस समझौते का मकसद और मर्म है। रूस अविलंब इस करार को लागू इसलिए करना चाहता है, क्योंकि यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी देशों की पाबंदियों के कारण रूस में श्रम–संकट विकराल है। रोजमर्रा के काम भी ठप पड़े हैं। दूसरी ओर भारत में 65 फीसदी आबादी ऐसी है, जिसकी औसत उम्र 35 साल या उससे कम है। भारत में बेरोजगारी एक विकट और संवेदनशील समस्या है। रूस में ये नियुक्तियां और अनुबंध सरकार के स्तर पर किए जाएंगे। दरअसल इन नियुक्तियों को इमिग्रेशन, अर्थात् अप्रवास, समझने की गलती न की जाए। नियुक्तियां जरूरत के मुताबिक अस्थायी अथवा दीर्घकालिक हो सकती हैं। रूस में भारतीय कामगार को सामाजिक सुरक्षा के अलावा बीमा, स्वास्थ्य सुविधाएं और कानूनी सुरक्षा एवं संरक्षण आदि भी दिए जाएंगे। रूस भारत की आईटीआई, इंजीनियरिंग की डिग्री और डिप्लोमा के अलावा पेशेवर कुशलता को भी मान्यता देगा, ताकि कामगारों को उचित रोजगार और मेहनताना आदि मिल सके। इस करार से भारत को कई फायदे होंगे। रोजगार तो उपलब्ध होगा ही। फिलहाल रूस में 1 लाख से अधिक भारतीय बसे हैं और वे विभिन्न व्यवसायों में काम कर रहे हैं। रूस के साइबेरिया वाले क्षेत्र में चीन के 3 लाख से अधिक कामगार और कारोबारी सक्रिय हैं।

उन्होंने रूसी युवतियों से शादियां भी की हैं। रूस नहीं चाहता कि उसके एक सूबे में कोई विदेशी आबादी बढ़ती रहे और वह कुंडली मार कर जम जाए। रूस अपनी नस्ल भी खराब नहीं होने देना चाहता। हालांकि चीन रूस के 'परम मित्रों' में है, लेकिन नस्ल के आधार पर रूसी और चीनी में काफी फर्क हैं। यह भी एक कारण है कि रूस ने भारतीय कामगारों को रोजगार देने का निर्णय लिया है। ये कामगार रूस के कई इलाकों में फैले होंगे, लिहाजा आबादी के मद्देनजर वे एक बेहतर संतुलन साबित हो सकते हैं। दरअसल भारत के लिए रूस एक सार्थक बाजार बनकर उभरेगा। इस करार से हमारे देश के विदेशी मुद्रा भंडार को भी मजबूती मिलेगी, क्योंकि भारतीय कामगार रूस से पैसा कमा कर भारत भेजेंगे। रूस में भारत की अपेक्षा वेतनमान काफी अधिक है। करार के बाद भर्ती की प्रक्रिया बिल्कुल पारदर्शी होगी। एक आधिकारिक पोर्टल होगा। उसमें अवैध एजेंटों का धंधा बंद हो जाएगा और भारतीय युवाओं की जान जोखिम में नहीं पड़ेगी। सिर्फ यही नहीं, रूस में 'मेक इन इंडिया' के लिए भी बाजार मिलेगा। जब भारतीय कामगार रूस जाएंगे, तो भारतीय उत्पादों की मांग भी बढ़ेगी, लिहाजा हमारे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। हमारे कामगारों को राजमिस्त्री, बिजलीवाले, वेल्डर, पेंटर के काम खूब मिलेंगे, क्योंकि रूस में इनकी मांग बहुत है। तेल और गैस क्षेत्रों में काम करने के मौके मिलेंगे। आईटी और बैंकिंग में रूस को काफी प्रतिभाओं की जरूरत है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर भी रूस को काफी चाहिए। कुल मिला कर भारतीय कामगारों और पेशेवरों के लिए रूस 'नया अमरीका' साबित हो सकता है। खाड़ी देशों की भयंकर गर्मी और वहां की सामंती संस्कृति की तुलना में रूस एक बेहतर मंच साबित हो सकता है। यह करार लागू होने के बाद रूस का वीजा प्राप्त करने की प्रक्रिया अपेक्षाकृत आसान और सरल हो जाएगी। भारत और रूस के संबंध विश्व राजनीति में उस स्थिर मित्रता का उदाहरण है, जो समय, परिस्थितियों एवं वैश्विक दबावों के बावजूद कभी कमजोर नहीं हुई। मोदी ने स्वयं पुतिन का स्वागत किया, तो इसका मतलब है कि इस रिश्ते और दोस्ती में गहराई है। भारत और रूस को आपसी व्यापार भी बढ़ाना है तथा इसे भारत की दृष्टि से संतुलित भी करना है।

हिंद–रूस दोस्ती जिंदाबाद

भारत और रूस की दोस्ती सात दशक पुरानी है। दो दोस्तों ने, इतने लंबे वक्त तक, कई तूफानों और इम्तिहानों के बावजूद, दोस्ती को बरकरार रखा है, यकीनन यह एक मिसाल है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत के प्रवास पर हैं। वह अपने साथ दोस्ती की नई पेशकशें और आयाम लेकर आए हैं। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के 5 दिसंबर को शिखर, द्विपक्षीय संवाद के बाद जो साझा बयान जारी किया जाएगा और जिन समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, उनके बाद दोस्ती, सहयोग, समर्थन नई ऊंचाइयां छुएंगे। राष्ट्रपति पुतिन ने भी रूस से यात्रा आरंभ करने से पूर्व इसी आशय का बयान दिया था। दरअसल रूस भारत को ऐसे 'रणनीतिक साझेदार' के रूप में स्वीकार करना चाहता है, जिसकी साझेदारी असीम, निस्सीम अर्थात् सीमारहित हो। कोई सीमा नहीं, रूस और चीन की साझेदारी ऐसी है। रूस भारत को भी उन्हीं समीकरणों में देखना चाहता है। राष्ट्रपति पुतिन ने अपनी इच्छा फिर दोहराई है कि रूस, भारत, चीन को एक 'तिकड़ी' बन जाना चाहिए। वह 'तिकड़ी' अमरीका से मुकाबला करने में सक्षम और सशक्त साबित होगी। बेशक पुतिन की यह इच्छा विचारणीय है, क्योंकि रूस पर अकेले अमरीका ने ही करीब 6500 पाबंदियां थोप रखी हैं। रूस पर कुल 26,000 के करीब प्रतिबंध हैं। फिर भी रूस दबाव में नहीं है। उसका अस्तित्व यथावत है। उसकी अर्थव्यवस्था को ज्यादा धक्के नहीं लगे हैं। भारत और चीन ने रूस से कच्चा तेल खरीद कर उसकी आर्थिक मदद ही की है। हालांकि भारत ने अब यह खरीद एक–तिहाई कर दी है। कारण अमरीका का दबाव ही नहीं है। रूस यूक्रेन और परोक्ष रूप से अमरीका, यूरोप, नाटो देशों के खिलाफ लगातार युद्ध लड़ रहा है। रूस से कच्चा तेल लेने के कारण ही अमरीका ने भारत पर, जुर्माने के रूप में, 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ थोपा था। भारत पर कुल टैरिफ 50 फीसदी है। अमरीका चीन को भी टैरिफ की धमकियां देता रहा है। बहरहाल रूस भारत को 'असीमित' रणनीतिक साझेदार के रूप में देखना चाहता है। रूसी संसद ने 'रेलोस' समझौते को भी मंजूरी दी है। उसके तहत भारत रूस के एयरबेस, नौसेना पोर्ट, युद्धपोत, सैन्य बल एवं साजो सामान, फ्यूल, संसाधन आदि इस्तेमाल कर सकेगा। रूस के 5 युद्धपोत, 10 सैन्य विमान, 3000 सैनिक आगामी 5 साल के लिए भारतीय जमीन पर तैनात किए जा सकेंगे। भारत की इतनी ही सैन्य ताकत रूसी जमीन पर तैनात होगी। यह समझौता 'रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट' (आरईएलओएस) है, जो रूसी संसद में पारित किया गया है। इससे भारत और रूस दो देश तो रहेंगे, लेकिन उनकी सैन्य–शक्ति 'एकाकार' हो जाएगी, जिसे सोच कर ही दुश्मन कांपने लगेगा। बेशक दुश्मन की शक्ति कमजोर पड़ेगी। यही नहीं, भारत–रूस के बीच 'नागरिक परमाणु करार' भी होगा। भारत का ऐसा करार सिर्फ अमरीका और फ्रांस के साथ है। रूस पहले ही भारत में 1000 मेगावाट प्रति के चार परमाणु रिएक्टर स्थापित करने की प्रक्रिया में है। इससे भारत में परमाणु ऊर्जा की क्षमता बढ़ेगी। भारत ने निजी निवेश के लिए भी यह क्षेत्र खोलने का निर्णय लिया है। महत्वपूर्ण यह भी है कि रूस सुखोई–57 जैसा पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान भी भारत को मुहैया करना चाहता है और इसकी प्रौद्योगिकी भी देना चाहता है, ताकि इन लड़ाकू विमानों का उत्पादन भारत में ही किया जा सके। भारत अब एस–500 एंटी मिसाइल सिस्टम रूस से चाहता है, जबकि रूस ने ही हमें एस–400 प्रणाली दी थी। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान एस–400 वायु रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के एक भी हवाई हमले को कामयाब नहीं होने दिया। अब 'ब्रह्मोस' की अगली पीढ़ी का उत्पादन भारत में ही होगा, वह दोनों देशों का उपक्रम होगा। बहरहाल राष्ट्रपति पुतिन भारत में हैं, तो मोदी से बातचीत में कई मुद्दे उठेंगे।

कानून पर ढके पैबंद

मसला जमीन का है, मनौती का नहीं, धारा–118 पर आज तक सियासी यकीन नहीं। धारा–118 की कठोरता कहां साबित, कहां वापस हुई, यह हिमाचल की फितरत है जमीन पर यूं ही चलो। कमोबेश हर सरकार को धारा–118 के पन्ने खोलने पड़ते हैं ताकि निवेश के काबिल यह प्रदेश रहे, फिर भी वकालत यह कि दलील होती रहे। इसमें दो राय नहीं कि खिचड़ी पकती रही, लेकिन यह भी इक हकीकत है कि जमीनों के दाम में खेती उजड़ती गई। जमीन पर कई हिमाचल और हिमाचली साम्राज्य उतर आए। परवाणू से शिमला के बीच धारा–118 की गश्त बेनामी हुई और जब निवेश की तासीर में निजी विश्वविद्यालय उभरने लगे थे, तो कानून पर ढके पैबंद भी दिखने लगे थे। नए निवेश में कितनी है धारा–118, ये प्रश्न धूमल सरकार से शुरू होकर सुक्खू सरकार तक पूछे जा रहे हैं। सवाल धारा–118 से भी बड़े वन संरक्षण अधिनियम से हैं, जहां एक पेड़ पूरी सडक़ की आफत बढ़ा देता है। कितनी सडक़ें, कितने सरकारी भवन, कितनी परियोजनाएं और राज्य की कितनी महत्त्वाकांक्षा वनापत्तियों की मजदूरी में फनां हो जाती हैं। धारा–118 की मूल आत्मा में जमीन से कहीं अधिक महत्त्व कृषि और बागबानी का था, ग्रामीण अर्थ व्यवस्था का था, लेकिन क्या आधुनिक हिमाचल इसकी वजह बना। क्या जंगल ने हमसे हमारा सुकून छीन लिया या धारा–118 की छूट ने मंगल कर दिया। क्या कृषि–बागबानी में रोजगार बढ़ा या निवेश की राह आसान करती तरजीह ने धारा–118 के बिछौने पर पर्यटन, उद्योग व व्यापार ने रोजगार को मौका दिया। हम धारा–118 के बाहर कितने और अंदर कितने, यह मूल्यांकन हर सरकार और विपक्ष के विवाद के बीच होता है, लेकिन जंगल ने कितने हिमाचली अधिकार छीने–इसके ऊपर अलग ढंग से सोचा ही नहीं गया। वन संरक्षण अधिनियम को नीतियों की गंगा मान कर हम कौन से पर्यावरण के पाप धो रहे हैं।

क्या हिमाचल में आती प्राकृतिक आपदाओं के लिए हमारे जंगल नाकाम हैं या हमें मजबूरी में रोजगार के लिए नित नया पहाड़ खोदने की आदत सी पड़ गई। हम मकान बनाते हैं, तो खड्ड की रेत–बजरी दोषी हो जाती है। निर्माण की शाखाओं में हिमाचल को किस और किसकी जमीन पर खड़ा करें, न जंगल जिद्द छोड़ता, न जमीन और न ही लकड़ी सौंपता। आम जनता का कितना रिश्ता प्राकृतिक संसाधनों से बचा रह गया। कौन सा वास्तुशास्त्र पहाड़ का रह गया। धारा–118 से पहले उस मुकाम और सामान को क्यों न तलाशा जाए जो नौतोड़ जमीन के दान में बिक गई। रातों रात बिक गया मुजारा कानून और लैंड सीलिंग एक्ट के तमाशबीन। क्या लैंड सीलिंग एक्ट के बाद खेती विस्थापित हुई या कृषि उत्पादन बढ़ गया। क्यों बागीचों के नीचे जमीन मापी गई और कृषि योग्य जमीं क्यों लैंड सीलिंग एक्ट लागू होने के बाद जमीर तक बिक गई। चर्चा तो यह चाहिए कि पिछले तीन दशकों में भूमि खरीद में कौन नए साहूकार बने। कौन हैं ऐसी ताकतें जो अब नई बस्तियां बसा रहे हैं। जाहिर तौर पर ऐसे कानून क्यों नहीं बने ताकि हिमाचली परिवेश जिंदा रहे। हिमाचल में इंसानों से कहीं ज्यादा जमीन का विस्थापन हो रहा है यानी अब ट्राइबल जमात बढ़ गई, लेकिन कबाइली इलाके अपना नूर, अपना हुस्न खो बैठे। होगी थोड़ी बहुत ट्राइबल संस्कृति, मगर मानवीय इतिहास की करवटों ने किन्नौर को सोलन से चंडीगढ़ तक बसा दिया। भरमौर नीचे उतर कर कांगड़ा में समा गया। पांगी को कुल्लू में ढूंढना और लाहुल–स्पीति से मनाली में आ बसी ट्राइबल क्षमता पर विचार करना। हिमाचल में जमीनी अधिकारों की जंग महज धारा–118 तक नहीं, यह तो ट्राइबल इलाकों के गुम होने की कहानी है।

क्या कांगड़ा के गद्दियों को कबाइली अधिकारों की पोशाक से सुकून मिल गया या असली खोज के लिए गिरिपार क्षेत्र के ट्राइबल अधिकार लाजिमी हो जाएंगे। कौन नहीं कह सकता कि बड़ा भंगाल कहीं भरमौर–किन्नौर से कम पिछड़ा और ट्राइबल है। ऐसे में धारा–118 के तहत सिमटी बहस न तो हिमाचली खेती, बागबानी, ग्रामीण आर्थिकी, रोजगार, व्यापार और संस्कार बचा पाई और न ही यह तर्क पैदा कर रही है कि हिमाचल की आत्मनिर्भरता तथा मानवीय विकास के लिए जंगल और सार्वजनिक हित की जमीन में कम से कम 50:50 प्रतिशत दर का अनुपात होना चाहिए।

त्रासदी की चुनौतियां

भारत को 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिली है। यह भारत की आर्थिक उन्नति, आधारभूत ढांचे, खेल की व्यवस्थाओं की बड़ी सफलता की शुरुआत है। यदि गुजरात के अहमदाबाद में 2030 के राष्ट्रमंडल खेल कामयाबी से सम्पन्न हो गए, तो 2036 के ओलिंपिक की मेजबानी का भारत का दावा काफी मजबूत होगा। ओलिंपिक जैसे विराट आयोजन से हमारी अर्थव्यवस्था एक ऊंची छलांग लगा सकती है। बहरहाल राष्ट्रमंडल खेलों की शुरुआत से पहले हरियाणा में बास्केटबॉल के दो होनहार, राष्ट्रीय खिलाडियों की त्रासदी सवाल भी पैदा करती है और चुनौती भी है। हम किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकते। बास्केटबॉल का उल्लेख होता है, तो महान खिलाड़ी शाक्विले ओ' नील की याद ताजा हो जाती है। एनबीए के कई बार चैम्पियन रहे नील का वजन, खिलाड़ी होने के बावजूद, 140 किग्रा से अधिक था। उन्होंने 19 साल के अपने करियर में 2626 बार गेंद हवा में उछाल कर बास्केट में जोर से पटकी। एक किस्म के गोल किए, लेकिन न तो कभी बास्केट का फ्रेम टूटा और न ही पोल गिरा। एनबीए खिलाडियों का औसत वजन 98 किग्रा होता है। उन्होंने हर सीजन में करीब 11,000 बार गेंद बास्केट में डाली है और गोल किए हैं, लेकिन कभी त्रासद दुर्घटना नहीं हुई। तो हरियाणा में अमन कुमार और हार्दिक राठी बास्केटबॉल के फ्रेम के नीचे दबकर कैसे मर गए? वे भी राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी थे और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीत सकते थे।

वे किसी दिन नील के स्तर तक भी पहुंच सकते थे! उसे सिर्फ 'घटना' करार देकर अथवा खिलाडियों के परिजनों को मुआवजा देकर शांत नहीं किया जा सकता। उनकी मौत मानवीय एजेंसी के क्षेत्र के पार मानी जा रही है।

अर्थात हालात मानवीय नियंत्रण के पार थे। क्या फ्रेम इसलिए गिरे, क्योंकि उसके स्टील पोल्स अत्यधिक जंग खा चुके थे, जीर्ण–शीर्ण अवस्था में थे? यह संभव हो सकता है, लेकिन यह फ्रेम और पोल्स के गिरने तक सीमित है। आखिर अमन और हार्दिक की मौत कैसे हुई? यही व्यवस्था का सवाल है, जो राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन के दौरान बार–बार उठेगा, क्योंकि यह भारत की जिम्मेदारी और जवाबदेही होगी। हरियाणा के उस क्षेत्र में खेल–व्यवस्था क्या अंधी–बहरी थी, जो फ्रेम, पोल्स की जर्जर अवस्था देख नहीं सकी? उसे बार–बार आगाह किया गया, लेकिन व्यवस्था नजरअंदाज करती रही, लिहाजा खेल अधिकारियों का निलंबन ही पर्याप्त नहीं है।

यदि हरियाणा सरकार खेल के प्रति गंभीर और संवेदनशील है, तो उस इलाके के सभी जिम्मेदार अफसरों को बर्खास्त किया जाए और जांच भी उच्चस्तरीय की जाए। हाल ही में भारत की दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट खिलाडियों ने पहली बार विश्व कप जीता है। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें अपने आवास पर बुला कर न केवल प्रोत्साहित किया, बल्कि अपने हाथों से मिठाई भी खिलाई। उन खिलाडियों को जो नकद पुरस्कार मिलेंगे, वे अलग हैं। दृष्टिबाधित खिलाड़ी और क्रिकेट जैसे खेल का विश्व कप३सचमुच असंभव, अकल्पनीय लगता है, लेकिन खिलाडियों का हर स्तर पर पालन–पोषण करना पड़ता है, तब वे देश के लिए पदक और ट्रॉफी जीत सकते हैं। बेशक रोहतक में जिस तरह हार्दिक पर फ्रेम गिरा था, उसके वीडियो ने देश को खौफजदा कर दिया होगा! बास्केटबॉल को अहमदाबाद राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल करने पर गंभीर विचार जारी है, लेकिन अब हमारी पदक दावेदारी कमजोर होगी।?

सीएम योगी बोले- हर बच्चा खेलेगा तभी खिलेगा, हमने खिलाड़ियों को डिप्टी एसपी-तहसीलदार का नौकरी दी'

गोरखपुर,संवाददाता। सीएम ने विजेता उत्तर प्रदेश व उपविजेता पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यूपी की टीम इसलिए विजयी हुई, क्योंकि हमने गारंटी दे दी है कि जो भी खिलाड़ी ओलंपिक, एशियन, कॉमनवेल्थ, विश्व चैंपियन में मेडल लेकर आएगा, उसे सीधे सरकारी नौकरी उपलब्ध कराएंगे। खिलाड़ियों को डिप्टी एसपी, तहसीलदार व अलग-अलग विभागों में अन्य महत्वपूर्ण स्थान भी दिए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नौजवानों का आह्वान किया और कहा कि पीएम मोदी ने देश के हर नौजवान से अपेक्षा की है कि वह किसी न किसी खेल के साथ अवश्य जुड़े, क्योंकि खेलोगे तो खिलोगे। सीएम ने कबड्डी का जिक्र करते हुए कहा कि इस खेल में स्फूर्ति और व्यक्ति के मन में टीम भावना के साथ कार्य करने का जज्बा भी है। हर खेल व खेल संस्कृति टीम वर्क के रूप में कार्य करने की प्रेरणा देती है। भारत के अंदर प्राचीन काल से ही खेल व खेलकूद की प्रतियोगिताओं के प्रति व्यापक जागरूकता रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रीजनल स्टेडियम में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज सप्तम् अखिल भारतीय प्राइजमनी पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता-2025 के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

जब व्यक्ति शारीरिक फिटनेस पर ध्यान देगा तो काया निरोगी होगी

सीएम योगी ने कहा कि धर्म के जितने भी साधन हैं, उन सभी की पूर्ति स्वस्थ शरीर से ही संभव है। स्वस्थ शरीर, निरोगी काया तभी प्राप्त हो सकती है, जब व्यक्ति शारीरिक फिटनेस पर ध्यान दे। उन्होंने कहा कि 11 वर्ष में सभी ने बदलते हुए भारत और पीएम मोदी की प्रेरणा से खेल व खेल संस्कृति के प्रति आम भारतीयों के मन में जो भाव पैदा हुए हैं, उसे मूर्त रूप लेते हुए देखा है। इसके कारण भारत की प्रतिभाएं ओलंपियन, एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ, विश्व चैंपियनशिप में अच्छा पुरस्कार ले रही हैं। खेल व प्रतियोगिताओं के प्रति नई जागरूकता पैदा हुई है। सांसद-विधायक खेलकूद प्रतियोगिताएं हो रही हैं। खेलो इंडिया खेलो के माध्यम से हर स्तर पर केंद्र स्थापित हो रहे हैं।

प्रदेश में बढ़ती दिखाई दे रहीं खेलकूद की गतिविधियां

सीएम योगी ने कहा कि यूपी के अंदर पहले से तीन स्पोर्ट्स कॉलेज हैं। हमारी सरकार ने तय किया है कि हर कमिश्नरी मुख्यालय पर स्पोर्ट्स कॉलेज होना चाहिए।

हर जिला मुख्यालय पर स्टेडियम और ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम का निर्माण होना चाहिए। इन सुविधाओं को सरकार बढ़ा रही है। गांव-गांव में खेल मैदान, ओपन जिम का निर्माण हो। सीएम ने कहा कि सरकार का जो पैसा वित्त आयोग के माध्यम से पंचायतों को जाता है, उसकी प्राथमिकता में खेल मैदान, ओपन जिम, खेलकूद की गतिविधियों को प्रोत्साहित करना है। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश में खेलकूद की गतिविधियां प्रत्येक स्तर पर बढ़ती दिखाई दी हैं। मेरठ में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर खेल विश्वविद्यालय बन रहा है। इस वर्ष से पहला सत्र प्रारंभ भी हो चुका है। स्टेडियम, इनडोर स्टेडियम, विश्वविद्यालय भवन समेत अन्य बुनियादी सुविधाएं ओलंपिक, एशियन और कॉमनवेल्थ गेम्स के स्टैंडर्ड को ध्यान में रखकर विकसित की जा रही हैं। 2030 का कॉमनवेल्थ गेम्स भारत के अहमदाबाद में होने जा रहा है।

12 टीमों के 168 खिलाड़ियों ने किया प्रतिभाग

सीएम योगी ने कहा कि सात वर्ष से लगातार इस प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। इस बार 12 टीमों के 168 खिलाड़ी व 24 कोच-मैनेजर ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया है। इस बार राजस्थान, हरियाणा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, विदर्भ, मध्य प्रदेश, पूर्वोत्तर रेलवे, भारतीय सेना, जेबी एकेडमी व यूपी की टीम शामिल हैं।

सीएम ने विजेता उत्तर प्रदेश की टीम को दी बधाई

सीएम ने विजेता उत्तर प्रदेश व उपविजेता पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यूपी की टीम इसलिए विजयी हुई, क्योंकि हमने गारंटी दे दी है कि जो भी खिलाड़ी ओलंपिक, एशियन, कॉमनवेल्थ, विश्व चैंपियन में मेडल लेकर आएगा, उसे सीधे सरकारी नौकरी उपलब्ध कराएंगे। खिलाड़ियों को डिप्टी एसपी, तहसीलदार व अलग-अलग विभागों में अन्य महत्वपूर्ण स्थान भी दिए गए हैं।

हमारी सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि कोई खिलाड़ी प्रतियोगिता में जाता है तो उस दौरान उसे सर्विस का पार्ट माना जाएगा। सरकारी नौकरी प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को अभ्यास के लिए पूरा अवसर भी मिलेगा। अब तक 500 से अधिक खिलाड़ियों को यूपी सरकार के विभिन्न पदों पर सरकारी नौकरी में समायोजित कर लिया गया है।

खिलाड़ियों के लिए प्रदेश में प्रोत्साहन के अच्छे कार्यक्रम भी चल रहे हैं। ओलंपिक, एशियन, कॉमनवेल्थ, विश्व चैंपियनशिप में खिलाड़ी, टीम, प्रतिभाग व मेडल पर भी पुरस्कार की अलग-अलग राशि घोषित की गई है।

खेल से विकसित होता है सहयोग, अनुशासन व जिम्मेदारी का भाव

सीएम ने कहा कि अब कबड्डी लीग भी हो रहे हैं। लोगों ने इसे काफी लोकप्रिय माना है। खेलकूद से पूरी टीम जुड़ती है। कबड्डी में हर खिलाड़ी के रेड, टेकल व बोनस प्वाइंट केवल खेल नहीं, बल्कि नए भारत की ऊर्जा का प्रतीक होता है। वह देश की जिस टीम का प्रतिनिधित्व करता है, उसकी ऊर्जा का प्रतीक होता है। हर खेल युवाओं की स्फूर्ति, अटेंशन, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता व आत्मविश्वास को भी विकसित करता है। खेल बताता है कि सफलता सामूहिक प्रयास से मिलती है। खेल से खिलाड़ियों में सहयोग, अनुशासन व जिम्मेदारी का भाव विकसित होता है। इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष साधना सिंह, विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, महेंद्र पाल सिंह, प्रदीप शुक्ला, भाजपा जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, डॉ. विभ्राट चंद कौशिक, पूर्व महापौर डॉ. सत्या पांडेय, कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार, खेल निदेशक डॉ. आरपी सिंह आदि मौजूद रहे।

कोडीनयुक्त कफ सिरप

एजेंसियों के रडार पर गोरखपुर महराजगंज के 25 धंधेबाज

गोरखपुर,संवाददाता। त्रों के मुताबिक, बीते दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गोरखपुर दौरे के दौरान एक बड़े दवा व्यापारी ने इन दोनों जिलों में भी कोडीनयुक्त कफ सिरप की धंधेबाजी की शिकायत की थी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर अब एसटीएफ और ड्रग कंट्रोल विभाग इन धंधेबाजों पर कार्रवाई में जुट गए हैं। कोडीनयुक्त कफ सिरप के धंधेबाजों के खिलाफ प्रदेशभर में कार्रवाई के बीच गोरखपुर और महराजगंज के 25 धंधेबाज भी एजेंसियों के रडार पर हैं। इन धंधेबाजों की सूची तैयार कर ली गई है। अब दोनों जिलों में प्राथमिकी दर्ज कर इन धंधेबाजों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी है।

सूत्रों के मुताबिक, बीते दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गोरखपुर दौरे के दौरान एक बड़े दवा व्यापारी ने इन दोनों जिलों में भी कोडीनयुक्त कफ सिरप की धंधेबाजी की शिकायत की थी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर अब एसटीएफ और ड्रग कंट्रोल विभाग इन धंधेबाजों पर कार्रवाई में जुट गए हैं।

दरअसल, गोरखपुर में नशे की दवाओं की धंधेबाजी का मामला नया नहीं है। सात अगस्त 2022 को गोरखपुर में बड़ी कार्रवाई की गई थी। तब नशे की दवाओं के काले कारोबार का पर्दाफाश हुआ था। नारकोटिक्स, पुलिस और ड्रग कंट्रोल विभाग की संयुक्त टीम ने करीब दो करोड़ रुपये की नशीली दवाएं बरामद की थीं। इस काले कारोबार से जुड़े छह आरोपी गिरफ्तार किए गए थे। उनके पास से 15 लाख रुपये, 18 मोबाइल फोन, एक-एक कार और ट्रक व दो कंटेनर भी बरामद हुए थे। ये दवाएं गोरखपुर के रास्ते कोलकाता भेजी जानी थी, जहां से इसे बांग्लादेश भेजा जाता।

पकड़े जाने के बाद नशे के सौदागरों ने इस पूरे मामले को मैनेज करने के लिए टीम को 15 लाख रुपये रिश्वत भी भेजी, लेकिन रकम लेकर पहुंचे व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। रिश्वत के रुपये भी जब्त कर लिए गए।

भालोटिया मार्केट तक पहुंची थी जांच की आंच

2022 में पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया था कि नशीली दवाओं के काले कारोबार का बड़ा केंद्र पूर्वांचल में गोरखपुर का भालोटिया मार्केट है। सूत्रों का दावा है कि यहां व्यापार करने वाले दो सगे भाई इस काले कारोबार से जुड़े हैं, जिनका शहर के ट्रांसपोर्टनगर सहित गीडा और संतकबीरनगर में दवाओं का डिपो है।

गोदामों में रखी थीं नशे की दवाएं

22 नवंबर 2025 में नारकोटिक्स विभाग और पुलिस ने वाराणसी में एक गोदाम में 500 पेटियों में कोडीनयुक्त कफ सिरप की 93 हजार शीशियां जब्त की थीं। यह गोदाम आगरा के एक धंधेबाज ने किराए पर लिया था।

इसी तरह 2022 के अगस्त में तत्कालीन सहायक आयुक्त औषधि एजाज अहमद, सहायक आयुक्त बस्ती मंडल नरेश मोहन दीपक ने मुखबिर से नशीली दवाओं के खेप की तस्करी और अवैध भंडारण की सूचना मिलने पर गोरखपुर के गीडा इलाके में कार्रवाई की थी। जांच में सामने आया कि जिस गोदाम का इस्तेमाल सिरप रखने के लिए किया था, वह भालोटिया मार्केट के व्यापारी दो सगे भाइयों के नाम पर हैं।

बिट्टू ने मारा बल्ला... आयुष ने कुल्हाड़ी से काटा

अंबुज हत्याकांड में 'कातिलों' का चौंकाने वाला कबूलनामा

गोरखपुर,संवाददाता। अंबुज हत्याकांड में बड़ा खुलासा हुआ है। तीन दोस्तों ने अंबुज की निर्मम हत्या की साजिश रची थी। बिट्टू उर्फ अहमद खान ने सिर में बल्ला मारा। आयुष ने कुल्हाड़ी से गला काटा था। सदरे आलम की कार से शव को ठिकाने लगया गया था। पुलिस ने दो आरोपी गिरफ्तार कर लिए हैं। तीसरे की तलाश जारी है। गोरखपुर के तिवारीपुर के सूरजकुंड निवासी 20 वर्षीय अंबुज मणि त्रिपाठी उर्फ रीशू की हत्या को लेकर पुलिस जांच में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पकड़े गए दो आरोपियों आयुष और सदरे आलम ने पूछताछ में स्वीकार किया कि अंबुज की हत्या उनके ही दोस्त बिट्टू उर्फ अहमद खान ने बनाई साजिश के तहत की गई थी। हत्या में तीनों ने भूमिका निभाई और बाद में शव को ठिकाने लगाया गया। पुलिस अब बिट्टू उर्फ अहमद खान की तलाश में दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार, घटना की रात अंबुज अपने दोस्तों बिट्टू, आयुष और सदरे आलम के साथ था। रुपये के लेन-देन और कुछ समय से चल रहे विवाद को लेकर चारों में कहासुनी हो गई।

बयान के मुताबिक सबसे पहले बिट्टू उर्फ अहमद खान ने बेसबॉल से अंबुज के सिर पर वार किया। जैसे ही अंबुज गिरा, आयुष ने उसके गले पर धारदार हथियार से वार कर दिया। पोस्टमार्टम में भी सिर में भारी वार व गले पर गहरे कट की पुष्टि हुई है। पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों आयुष और सदरे आलम ने कबूल किया कि हत्या के बाद तीनों घबरा गए थे। तब सदरे आलम ने अपनी कार से अंबुज के शव को महाराजगंज में ठिकाने लगाया था। पुलिस का दावा है कि शव को दूसरे स्थान पर ले जाकर मामला दबाने की योजना थी। पुलिस ने जांच तेज की और सीसीटीवी, कॉल डिटेल व तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आयुष और सदरे आलम को दबोच लिया। पूछताछ में दोनों ने पूरी साजिश और हत्या की कहानी कबूल कर ली। पुलिस ने जब आयुष को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की तो उसने अपने साथी सरदेआलम के साथ शव को महाराजगंज से बरामद करा दिया। हालांकि एक आरोपी बिट्टू उर्फ अहमद खान फरार है और उसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस ने उसकी लोकेशन ट्रेस करने के लिए विशेष टीमें बनाई हैं। बिट्टू के आपराधिक इतिहास और उसके गैंग के नेटवर्क के संबंध में भी गहराई से जांच चल रही है। पुलिस का कहना है कि वह जल्द गिरफ्त में होगा।

एक्स मैन के नाम से बिट्टू उर्फ अहमद खान ने बना रखा था सोशल एकाउंट

गोरखपुर के तिवारीपुर के सूरजकुंड निवासी अंबुज हत्याकांड की जांच में जुटी पुलिस एक चौंकाने वाला तथ्य हासिल हुआ है। अवैध असलहों और स्थानीय गैंगस्टर गतिविधियों से जुड़े जिस बिट्टू उर्फ अहमद खान को पुलिस अंबुज हत्याकांड में आरोपी मानकर तलाश रही है, वह सोशल मीडिया पर उसने खुद को एक्समैन के नाम से पेश कर रखा है। यही पहचान अब उसके पूरे गैंग का खौफ बन चुकी है। पुलिस उसकी हिस्ट्री, नेटवर्क और सोशल मीडिया गतिविधियों की गहराई से जांच कर रही है। बिट्टू उर्फ अहमद खान ने इंस्टाग्राम, फेसबुक समेत अन्य सोशल अकाउंट पर एक्स मैन नाम से कई फर्जी और असली आईडी चला रखी थीं। इन पर वह अपने हथियारों के साथ तस्वीरें, गैंग के लड़कों के वीडियो, बाइक-कार स्टंट और धमकी भरे पोस्ट शेयर करता था। कुछ समय पहले उसके जन्मदिन का एक वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें वह कार की बोनट पर रखे केक को कुल्हाड़ी से काटते दिखा था। उसी वीडियो के बाद उसने खुद को एक्समैन कहना शुरू कर दिया था। यह देखते हुए अंबुज भी उससे प्रभावित होकर कुल्हाड़ी बाबा के नाम से अपना सोशल एकाउंट बना लिया था। जिसमें वह तरह तरह के धमकी भरे पोस्ट शेयर करने लगा था।

2.10 करोड़ का बीमा कराया... फिर बेटे का करा दिया मर्डर

मुरादाबाद में बीमे की रकम के लिए पिता ने बेटे की हत्या करा दी। साढ़े तीन लाख रुपये की सुपारी देकर बेटे का कत्ल करा दिया। आरोपी ने 50 हजार रुपये एडवांस भी दिए थे। पुलिस ने पिता समेत चार को गिरफ्तार कर लिया है।

मुरादाबाद में अनिकेत हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा

संभल,संवाददाता। संभल जिले के बहजोई निवासी अनिकेत शर्मा की हत्या उसके पिता बाबूराम शर्मा ने बीमे की रकम हड़पने के लिए सुपारी देकर कराई थी। बृहस्पतिवार को पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि हत्या के बाद शव कुंदरकी क्षेत्र में फेंककर हादसा दर्शाने की कोशिश की गई थी। पुलिस ने अनिकेत के पिता और उसके तीन साथियों को गिरफ्तार किया है। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि 16 नवंबर की रात कुंदरकी थानाक्षेत्र के जैतपुर स्थित खेत में बहजोई थानाक्षेत्र के नई बस्ती दुर्गा कॉलोनी निवासी अनिकेत शर्मा का शव मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि के बाद भी पिता इसे हादसा बताता रहा। जांच में सामने आया कि अनिकेत के नाम 2.10 करोड़ रुपये का दुर्घटना बीमा था। पुलिस ने बुधवार की रात अनिकेत के पिता बाबूराम शर्मा को हिरासत में ले लिया।

एचडीएफसी बैंक में खुलवाया था खाता

उसने बताया कि उसका बेटा आए दिन घर में शराब पीकर शोरशराबा करता था। बाबूराम ने अमरोहा के नौगांवा सादात थानाक्षेत्र के रतनपुर निवासी अपने साथी अधिवक्ता आदेश कुमार से संपर्क किया और बेटे के बारे में बातचीत की। अधिवक्ता ने दो जनवरी 2024 को अनिकेत का बहजोई के एचडीएफसी बैंक में खाता खुलवाया।

अधिवक्ता ने रची हत्या की साजिश

कुछ दिन बाद टाटा कंपनी में अनिकेत के नाम 2.10 करोड़ बीमा पॉलिसी कराई लेकिन बाबूराम को सिर्फ 25 लाख की बताई। इस बीच मार्च 2024 में बाबूराम शर्मा डकैती के एक मामले में जेल गया तो आदेश ने किस्तें भी जमा कर दीं। बाबूराम के जमानत पर छूटने पर अधिवक्ता ने अनिकेत की हत्या की साजिश रची और 25 लाख का लालच देकर पिता बाबूराम को भी शामिल कर लिया।

सिर पर रॉड मारकर की गई थी हत्या

बाबूराम ने अधिवक्ता की मदद से रामपुर के शाहबाद थाना क्षेत्र के नटियाखेड़ा निवासी असलम उर्फ सुल्तान को साढ़े तीन लाख रुपये में सुपारी दे दी। असलम ने साथी तहब्बुर मैवाती और रामपुर के शाहबाद रुस्तमपुर निवासी साजिद के साथ मिलकर अनिकेत के सिर में रॉड मारकर हत्या कर दी। एसपी देहात ने बताया कि बाबूराम शर्मा, साजिद, असलम उर्फ सुल्तान, तहब्बुर मैवाती को गिरफ्तार किया गया है। बृहस्पतिवार की शाम चारों को कोर्ट में पेश करे के बाद जेल भेज दिया गया। अधिवक्ता आदेश कुमार और विजयपाल सिंह की तलाश की जा रही है।

बीमा क्लेम पाने के लिए संभल में चार हत्याएं, ईडी भी कर रही जांच

संभल में बीमा क्लेम हड़पने वाले गिरोह संभल जिले में चार हत्याएं कर चुका है और क्लेम भी हड़प चुका है। पुलिस चार हत्याओं के मामले में सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। पूरे गिरोह के 68 से ज्यादा आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का क्लेम इस गिरोह ने पाया है। इसकी जांच ईडी भी कर रही है। ईडी ने लखनऊ में केस दर्ज किया था। संभल पुलिस की जांच भी अभी चल रही है। जितने भी आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं सभी के खिलाफ चार्जशीट न्यायालय में दाखिल की जा चुकी है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि गिरोह बीमा क्लेम पाने के लिए हत्याएं कर रहा था। इसके अलावा मर चुके लोगों के साथ मरणासन्न स्थिति वाले लोगों के बीमा कराता था और फर्जी दस्तावेज के आधार पर क्लेम पा लेता था। इस गिरोह में बैंक से लेकर जिम्मेदार विभागों के कर्मचारी भी शामिल रहे थे।

एसपी ने बताया कि गिरोह नौजवान या ऐसे लोगों को चिह्नित करता था। जिनके परिवार में उनकी सुध लेना वाला कोई न हो। जालसाजी से अलग–अलग कंपनी में बीमा पॉलिसी कराई जाती थी और प्रीमियम भी खुद भरते थे। जब कई प्रीमियम भर देते थे तो पॉलिसी धारक की हत्या करते थे। हत्या को हादसा बनाने के लिए पूरी साजिश की जाती थी। गिरोह ने पुलिस को भी गुमराह किया था। 31 जुलाई को बदायूं जिले के थाना बिसौली अंतर्गत गांव दिलवारी निवासी दरियाब (38) की सड़क हादसे में मौत दिखाई गई थी। जिसका क्लेम भी ले लिया था। पुलिस ने एफआर लगा दी थी। लेकिन जब गिरोह सामने आया तो जांच कराई। जिसमें सामने आया कि दरियाब की गाड़ी से कुचलकर व हथौड़े से पीटकर हत्या की थी। 50 लाख रुपये से ज्यादा की अलग–अलग कंपनी में पॉलिसी कराई गई थीं। इसी तरह बदायूं जिले के ही थाना इस्लामनगर अंतर्गत मोहल्ला बमनपुरी निवासी दिव्यांग संजय की हत्या 20 जून 2024 को उसके छोटे भाई नवीन ने की थी। 95 लाख रुपये के बीमा क्लेम हड़पने के लिए वारदात को अंजाम दिया था। तीसरी हत्या दिल्ली निवासी अमन (20) की 15 नवंबर 2023 को अमरोहा जिले के रहरा थाना क्षेत्र में की गई थी। रिश्ते के मामा ने गिरोह के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। 2.70 करोड़ रुपये की अलग–अलग कंपनी में बीमा पॉलिसी कराई गई थीं। इसमें 20 लाख रुपये का क्लेम मिल भी गया था। चौथी हत्या धनारी निवासी सलीम की 29 जुलाई 2022 को अमरोहा के रहरा थाना क्षेत्र में ही की गई थी। सलीम का भी परिवार में कोई नहीं था।

रजपुरा थाना पुलिस ने पकड़ा था इस गिरोह का सरगना, तब खुला पूरे गिरोह का राज

एसपी ने बताया कि 17 जनवरी को बीमा क्लेम हड़पने वाले गिरोह के सरगना वाराणसी के कैंट थाना क्षेत्र के फुलवरिया निवासी ओंकारेश्वर मिश्र और गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बबराला निवासी अमित को रजपुरा थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया था। इन्हीं आरोपियों ने बीमा क्लेम हड़पने का राजफाश किया था। बताया कि जिले के साथ दूसरे जिले में भी गिरोह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गईं। गिरोह के तार 12 राज्यों तक फैले होने के प्रमाण मिले हैं। इस गिरोह में निजी बैंक कर्मचारी, ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव, आशा वर्कर, जनसेवा संचालक, बीमा कंपनी के इन्वेस्टिगेटर, बीमा कंपनी के मालिक भी शामिल थे। सभी की गिरफ्तारी की जा चुकी है।

हापुड़ पुलिस ने किया था खुलासा

हापुड़ पुलिस ने मेरठ के गंगानगर निवासी विशाल सिंघल को गिरफ्तार किया था। उसकी पत्नी ने संभल पुलिस को पत्र लिखकर बताया था कि उसके पति ने 2017 में मां, फिर पत्नी और उसके बाद पिता की हत्या की। मां और पत्नी की मौत भी हादसा बताई और बीमा क्लेम हड़प लिया था। इसके बाद ही 2024 में पिता की हत्या की साजिश की और 50 करोड़ रुपये की बीमा पॉलिसी कराईं थीं। इसके बाद हत्या कर दी और हादसा बताकर क्लेम पाने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। इस आरोप के बाद संभल पुलिस ने जांच की।जिसमें आरोप सही पाए गए। इसके बाद हापुड़ जिले की पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया था। बीमा क्लेम हड़पने वाले गिरोह की संपत्तियों की जांच चल रही है। सभी की संपत्तियां जब्त की जाएंगी। 68 आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। सभी के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल हो चुकी है।

–कृष्ण कुमार विश्नोई, एसपी, संभल

'आपने दुनिया का सबसे बेहतर जीवनसाथी चुना
पति की मौत के दो महीने बाद महिला ने दी जान

झांसी,संवाददाता। झांसी में एक महिला ने पति की मौत के दो महीने बाद फंदा लगाकर जान दे दी। महिला ने खुदकुशी से पहले एक पेज का सुसाइड नोट भी लिखा है। नोट में परिवार वालों से माफी मांगी है। झांसी के प्रेमनगर थाना इलाके के हंसारी मोहल्ला स्थित ससुराल में शुक्रवार सुबह ललिता उर्फ राधिका (23) ने फंदा लगाकर जान दे दी। उसके पति की दो माह पहले हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। इस गम को वह बर्दाश्त नहीं कर पाई। सात माह पहले उसकी शादी हुई थी। राधिका ने आत्मघाती कदम उठाने से पहले एक पेज लंबा सुसाइड नोट भी लिखा। परिवार वालों से माफी मांगते हुए उसने लिखा कि उन्होंने उसके लिए दुनिया का सबसे बेहतर पार्टनर चुना मगर उसकी ही किस्मत बुरी थी। उसकी मौत से परिवार में रोना पिटना मचा है। कानपुर नगर निवासी राधिका उर्फ ललिता (23) की शादी 13 अप्रैल 2025 को प्रेमनगर के हंसारी निवासी विशाल यादव से हुई थी। विशाल बच्चों को ट्यूशन पढ़ाता था। शादी के बाद से दोनों बहुत खुश थे। छुट्टियों में मनाली जाने की तैयारी थी। अचानक अक्तूबर में विशाल को घर में हार्ट अटैक आया। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, मगर उसकी मौत हो गई। पति की असामयिक मौत राधिका बर्दाश्त नहीं कर सकी। वह गम में डूब गई। परिजनों ने बताया कि वह ठीक से खाना नहीं खाती थी।

नहाने के लिए ऊपर गई थी राधिका

कमरा बंद करके घंटों विशाल को याद कर सिर्फ रोती रहती थी। शुक्रवार सुबह सात बजे राधिका नहाने के लिए ऊपर वाले कमरे में गई थी।

कई घंटे तक वह नीचे नहीं आई। परिजन जब पहुंचे तो दरवाजे की कुंडी अंदर से बंद थी। खिड़की से देखने पर वह पंखे पर साड़ी से फंदा बनाकर लटकी दिखी। यह देख वहां चीख–पुकार मच गई। परिवार के लोगों ने आसपास के लोगों की मदद से दरवाजा तोड़कर उसे फंदे से नीचे उतारा। उसे लेकर मेडिकल अस्पताल पहुंचे।

हनुमानगढ़ी के संत को जिन्दा जलाने की कोशिश

आश्रम में खिड़की काटकर लगाई गई आग, पुलिस कर रही जांच

अयोध्या,संवाददाता। अयोध्या में हनुमानगढ़ी के संत को जिंदा जलाने की कोशिश की गई। आश्रम में बने कमरे की खिड़की काटकर आग लगाई गई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। रामनगरी अयोध्या में प्रसिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी के संत महेशदास उर्फ स्वामी महेश योगी के आश्रम में अचानक आग लग गई। घटना गोविंदगढ़ स्थित आश्रम बृहस्पतिवार की आधी रात करीब 2:45 बजे की है।

आरोप है कि यह आग उन्हें मारने की साजिश के तहत लगाई गई थी। आग ज्वलनशील पदार्थ के माध्यम से लगाई गई। अज्ञात लोगों ने कमरे की पीछे की खिड़की काटकर आग लगाई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने समय रहते आग पर काबू पा लिया।

हनुमानगढ़ी के वसंतीया पट्टी स्थित गोविंदगढ़ में महेश योगी का आश्रम है। रात में किसी अज्ञात व्यक्ति ने आश्रम के पिछले हिस्से में स्थित लोहे की जाली काटकर अंदर आग का गोला फेंक दिया। महंत महेश योगी ने बताया कि घटना के समय आग से पेट्रोल जैसी गंध आ रही थी। फिलहाल आग को समय रहते बुझा लिया गया है, अधिक नुकसान नहीं हुआ है।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

घटना के समय महेश योगी आश्रम में अकेले सो रहे थे। उनके शिष्य आश्रम के दूसरे हिस्से में रहते हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को कमरे के पीछे से कटी ग्रिल और पेट्रोल जैसी गंध के निशान भी मिले हैं। फिलहाल सीसीटीवी, कॉल डिटेल और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के आधार पर जांच जारी है।

कम नहीं हो रही आजम और अब्दुल्ला की मुश्किलें... सजा बढ़वाने के लिए सेशन कोर्ट पहुंचा अभियोजन, 23 को फैसला

मुरादाबाद,संवाददाता। दो पैन कार्ड में समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। अभियोजन सात साल की सजा से संतुष्ट नहीं है। सजा के खिलाफ अभियोजन सेशन कोर्ट पहुंचा है। सजा बढ़वाने के लिए दायर अपील पर अपीलकर्ता की ओर से अतिरिक्त आधार दाखिल किया है। दो पैन कार्ड में सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खां की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। सात साल की सजा बढ़ाने की मांग को लेकर अभियोजन पक्ष की ओर से सेशन कोर्ट में अपील दायर की गई है। दूसरी ओर सजा के खिलाफ आजम के अधिवक्ताओं ने और राहत की मांग को लेकर कई तर्क दिए हैं। सेशन कोर्ट अब इन दोनों बिंदुओं पर 23 दिसंबर को अपना फैसला सुना सकती है।

दो पैन कार्ड में एमपी– एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पिछले दिनों सपा नेता आजम खां और अब्दुल्ला आजम को सात–सात साल की सजा व 50–50 हजार रुपये का जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई थी। इस मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट के फैसले के खिलाफ अब सेशन कोर्ट में शरण ली है।

उनके अधिवक्ताओं की ओर से सेशन कोर्ट में निचली अदालत के फैसले के खिलाफ अपील दायर की गई है। इसके साथ ही जमानत के लिए भी प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया है, जिस पर सेशन कोर्ट में सुनवाई चल रही है। इस मामले में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से सात साल की सजा बढ़ाए जाने की मांग को लेकर अपील दायर की गई। सहायक शासकीय अधिवक्ता सीमा सिंह राणा के अनुसार अभियोजन की ओर से प्रार्थना पत्र दिया गया है, जिसमें अभियोजन की ओर से निचली अदालत की ओर से दी गई सात साल की सजा को बढ़ाने की मांग की गई।

दोनों ही प्रार्थना पत्रों पर 23 दिसंबर को सुनवाई

इस प्रार्थना पत्र पर 23 दिसंबर को सुनवाई होगी। वहीं दूसरी ओर इस मामले में आजम खां के अधिवक्ताओं की ओर से दाखिल अपील पर बचाव पक्ष की ओर से अतिरिक्त आधार भी दाखिल किए गए। एडीजीसी ने बताया कि दोनों ही प्रार्थना पत्रों पर कोर्ट 23 दिसंबर को सुनवाई करेगी।

दो पासपोर्ट मामले में अब्दुल्ला आजम को सात साल की सजा

दो पैन कार्ड मामले में सात साल की सजा काट रहे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम को शुक्रवार को दो पासपोर्ट मामले में भी सात साल की कैद व पचास हजार रुपये जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई गई है। एमपी–एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए इस मुकदमे का फैसला सुनाया है।

अमेरिकी सख्ती के बीच राष्ट्रपति पुतिन की दो टूक भारत को ईंधन की सप्लाई निर्बाध जारी रहेगी

नई दिल्ली,एजेंसी। पुतिन ने शुक्रवार को 23वें भारत–रूस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। इसके बाद संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि रूस भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए ईंधन की लगातार और बिना रुकावट आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हैदराबाद हाउस में बैठक की। 23वें भारत रूस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद दोनों देशों के नेताओं ने संयुक्त प्रेस वार्ता की। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि पीएम मोदी के साथ डिनर पर मेरी बातचीत हमारी रणनीतिक साझेदारी के लिए बहुत मददगार रही। पीएम मोदी और मैंने एक करीबी वर्किंग डायलॉग बनाया है।

राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी का समेत भारतीयों का धन्यवाद

राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, मैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, मेरे प्यारे दोस्त पीएम मोदी और भारत के लोगों को रूसी प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए धन्यवाद देता हूं। पुतिन ने आगे कहा– हम एसईओ बैठक के दौरान मिले थे, और हम व्यक्तिगत तौर पर रूस–भारत डायलॉग की देखरेख कर रहे हैं।

भारत को ईंधन की आपूर्ति करता रहेगा रूस

राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आपका शुक्रिया। बातचीत सकारात्मक और मैत्रीपूर्ण माहौल में हुई। मेरे और प्रधानमंत्री मोदी के बीच नियमित तौर पर फोन पर बातचीत होती रहती है। हम भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रगति के लिए सभी तरह के ईंधन की निर्बाध आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार हैं।

रूस भारत के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र के निर्माण में भी मदद कर रहा है। दोनों देश भुगतान के निराकरण के लिए धीरे–धीरे अपनी–अपनी राष्ट्रीय मुद्रा के इस्तेमाल की ओर भी बढ़ रहे हैं। हम सालाना द्विपक्षीय कारोबार को बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने की आशा रखते हैं।

ऊर्जा क्षेत्र में हमारी साझेदारी बहुत सफल है– पुतिन

पुतिन ने कहा– प्रधानमंत्री ने हमें उन चुनौतियों की एक सूची दी है जिन पर दोनों सरकारों को ध्यान देना चाहिए और हम उन पर काम करेंगे, जिससे भारत और यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के बीच एक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट बनने से मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि दोनों देश धीरे–धीरे अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार की ओर बढ़ रहे हैं, और अभी 96% लेनदेन इसी तरह हो रहा है। ऊर्जा क्षेत्र में हमारी साझेदारी बहुत सफल है। तेल, गैस, कोयला और भारत की ऊर्जा जरूरतों से जुड़ी हर चीज की सप्लाई स्थिर है।

परमाणु क्षेत्र में अहम साझेदारी

व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि हम कुडनकुलम में भारत का सबसे बड़ा न्यूक्लियर पावर प्लांट बनाने का एक फ्लैगशिप प्रोजेक्ट चला रहे हैं। छह रिएक्टर यूनिट्स में से दो पहले ही ग्रिड से जुड़ चुके हैं, जबकि चार और बन रहे हैं।

इस प्लांट को पूरी कैपेसिटी से चलाने पर भारत की उर्जा जरूरतों में बहुत बड़ा योगदान मिलेगा, जिससे इंडस्ट्रीज और घरों को सस्ती और साफ बिजली मिलेगी।

हम छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर, फ्लोटिंग न्यूक्लियर प्लांट और न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी के नॉन–एनर्जी इस्तेमाल पर भी बात कर रहे हैं, जिसमें मेडिसिन और एग्रीकल्चर भी शामिल हैं। पुतिन ने कहा, हम भारत के साथ मिलकर नए अंतरराष्ट्रीय ट्रांसपोर्ट रूट बना रहे हैं। इसमें एक बड़ा प्रोजेक्ट नॉर्थ–साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर भी शामिल है।इसका मतलब है कि रूस या बेलारूस से सामान सीधे हिंद महासागर के रास्ते तक पहुंच सकेगा। इससे व्यापार तेज, सस्ता और आसान होगा।

पुतिन बोले– भारत को हथियार देते रहेंगे

इस दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि पिछले करीब 50 साल से रूस भारतीय सेना को हथियार देने और उसे आधुनिक बनाने में मदद करता आ रहा है। चाहे वह रक्षा बल हो, विमानन हो या नौसेना। कुल मिलाकर, जिन बातचीत को हमने अभी पूरा किया है, उनके नतीजों से हम पूरी तरह संतुष्ट हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि यह दौरा और यहां हुए समझौते भारत–रूस की रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करेंगे, इससे दोनों देशों जनता को फायदा मिलेगा।

'भारत–रूस का बिजनेस एक साल में 12% बढ़ा'

राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि पिछले साल भारत–रूस के बीच जो दोतरफा व्यापार हुआ था, वह 12% बढ़ा है। यह अपने आप में एक नया रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा अलग–अलग सोर्स में थोड़ी अलग दिख सकती है, लेकिन औसतन यह लगभग 64 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। पुतिन ने कहा कि हम अनुमान लगा रहे हैं कि इस साल भी व्यापार का स्तर इतना ही मजबूत रहेगा। पुतिन ने कहा कि दोनों देश इस व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक ले जाने के लिए तैयार हैं।

एक–दूसरे से क्या–क्या निर्यात करते हैं रूस–भारत?

रूस से भारत आयात का लगभग 76 हिस्सा कच्चा तेल ही है। अगर दूसरे तेल और कोयला को जोड़ लिया जाए तो यह 85 तक चला जाता है। वहीं भारत से रूस दवाइयां, फाइन केमिकल्स, कपड़े, चाय–कॉफी–चावल–मसाले आदि निर्यात करता है।

छात्रों, खिलाड़ियों का आदान प्रदान बढ़ाएंगे भारत–रूस

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बैठक के बाद हैदराबाद में साझा प्रेस वार्ता की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी घोषणा की कि रूसी नागरिकों के लिए निशुल्क तीस दिन का ई–यात्री वीजा और तीस दिन का सामूहिक यात्री वीजा की शुरूआत की जाएगी। दोनों नेताओं ने 2030 तक आर्थिक सहयोग बढ़ाने और व्यापार–निवेश को मजबूत करने पर सहमति जताई। दिल्ली के हैदराबाद हाउस में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज भारत–रूस के 23वें शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति पुतिन का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। उनकी यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब हमारे द्विपक्षीय संबंध कई अहम पड़ावों से गुजर रहे हैं। 25 वर्ष पहले राष्ट्रपति पुतिन ने हमारी सामरिक भागीदारी की नींव रखी थी। उन्होंने इन संबंधों से निरंतर सींचा है। उनके नेतृत्व ने हर परिस्थिति में आपसी संबंधों को नई ऊंचाई दी है। भारत के प्रति गहरी मित्रता और अटूट प्रतिबद्धता के लिए मैं राष्ट्रपति पुतिन का आभार प्रकट करता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत–रूस की मित्रता ध्रुव तारे की तरह बनी रही। हम समय की कसौटी पर हमेशा खरे उतरे हैं।

आज हमने इस नींव को और मजबूत करने के लिए सहयोग के सभी पहलुओं पर चर्चा की है। आज हमने 2030 तक के लिए एक आर्थिक सहयोग कार्यक्रम पर सहमति बनाई है। इससे हमारा व्यापार और निवेश संतुलित और टिकाऊ बढ़ेगा तथा सहयोग के क्षेत्र में नए आयाम जुड़ेंगे। भारत–रूस व्यापारिक मंच में भी हमें शामिल होने का अवसर मिलेगा। यह हमारे कारोबारी रिश्तों को नई ताकत देगा। इससे निर्यात, सह–निर्माण और सह–नवाचार के नए दरवाजे भी खुलेंगे।

उन्होंने कहा, हमारा सहयोग खाद्य सुरक्षा और किसान कल्याण के लिए भी महत्वपूर्ण है। दोनों पक्ष साथ मिलकर यूरिया उत्पादन के प्रयास कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाना हमारी मुख्य प्राथमिकता है। ऊर्जा सुरक्षा भारत–रूस साझेदारी का मजबूत और महत्वपूर्ण पहलू रहा है। हम इस विन–विन सहयोग का जारी रखेंगे। अहम खनिजों पर हमारा सहयोग भी महत्वपूर्ण है। इससे स्वच्छ ऊर्जा और हाईटेक विनिर्माण के क्षेत्र में हमारी साझेदारी को बल मिलेगा।

रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन का मुफ्त वीजा

प्रधानमंत्री ने कहा, दोनों देशों के बीच स्नेह और आत्म–सम्मान का भाव रहा है। हाल ही में रूस में भारत के दो नए वाणिज्य दूतावास खोले गए हैं। इससे दोनों देशों के नागरिकों के बीच संपर्क और सुगम और आपस में नजदीकियां बढ़ेंगी। मुझे खुशी है कि शीघ्र ही हम रूसी नागरिकों के लिए निःशुल्क 30 दिन का ई टूरिस्ट वीजा और 30 दिन के ग्रुप टूरिस्ट वीजा की शुरुआत करने जा रहे हैं। हम मिलकर वोकेशनल एजुकेशन, स्किलिंग और ट्रेनिंग पर भी काम करेंगे। दोनों देशों के स्कॉलर्स और खिलाड़ियों का आदान–प्रदान बढ़ेगा। उन्होंने कहा, आज हमने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। यूक्रेन के संबंध में हमने शुरुआत से ही शांति का पक्ष रखा है। हम इस विषय के शांतिपूर्ण और स्थायी समाधान के लिए किए जा रहे सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं।

भारत सदैव अपना योगदान देने के लिए तैयार रहा है और आगे भी रहेगा। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और रूस ने हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग किया है। भारत का अटल विश्वास है कि आतंकवाद मानवता के मूल्यों पर सीधा प्रहार है और इसके विरूद्ध वैश्विक एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत और रूस के बीच संयुक्त राष्ट्र, जी–20, ब्रिक्स, एससीओ तथा अन्य मंचों पर करीबी सहयोग रहा है। करीबी तालमेल के साथ आगे बढ़ते हुए हम इन सभी मंचों पर अपना संवाद और सहयोग जारी रखेंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में हमारी मित्रता हमें वैश्विक चुनौतियों का सामना करने की शक्ति देगी। यही भरोसा हमारे साझा भविष्य को और समृद्ध करेगा।

मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुक्रगुजार हूं रूस–भारत के रिश्ते को नई ऊंचा

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत और रूस के बीच मजबूत और बढ़ते सहयोग की पुष्टि करते हुए इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के रिश्तों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की जरूरत है। श्री मोदी ने शुक्रवार को वार्षिक भारत–रूस शिखर सम्मेलन की शुरुआत में अपने संबोधन में यूक्रेन में चल रहे संघर्ष पर भारत के रुख पर जोर देते हुए कहा कि भारत शांति के साथ है और दुनिया को शांति की ओर लौटना चाहिए। श्री मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन का दो दिवसीय भारत के राजकीय दौरे के दौरान यहां उनका स्वागत करते हुए दोनों देशों के बीच लंबे समय से जारी और समय की कसौटी पर खरी उतरी मित्रता पर जोर दिया।

उन्होंने श्री पुतिन को रूसी भाषा में अनुवादित भगवद् गीता की एक कॉपी भेंट की, और कहा कि गीता की शिक्षाएं दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित करती हैं। श्री मोदी ने श्री पुतिन के नेतृत्व की तारीफ करते हुए कहा कि यह दौरा बहुत ऐतिहासिक है, आपने एक अग्रणी नेता की दूरदर्शी सोच की काबिलियत को पूरा किया है। श्री मोदी ने शांति के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया, और कहा कि हम सभी को शांति के रास्ते पर चलना होगा और भारत शांति बहाली की सभी कोशिशों का समर्थन करता है। यूक्रेन और रूस के बीच जारी संघर्ष पर श्री मोदी ने साफ़ तौर पर कहा कि भारत का रूख तटस्थ नहीं है और वह शांति के साथ है। उन्होंने बातचीत और कूटनीतिक प्रयासों के ज़रिए इस विवाद को खत्म करने की अपील करते हुए कहा कि हम इस विवाद के शांतिपूर्ण हल का समर्थन करते हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने श्री मोदी की टिप्पणियों का जवाब देते हुए भारत यात्रा के निमंत्रण के लिए शुक्रिया अदा किया । उन्होंने कहा कि भारत यात्रा के लिए आमंत्रित जाने के लिए मैं श्री मोदी का शुक्रगुजार हूं। श्री पुतिन ने शांति के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि शांति के मुद्दे पर, दोनों देश एक साथ हैं। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि रूस विवाद के शांतिपूर्ण हल की दिशा में काम कर रहा है। इस शिखर सम्मेलन का मकसद खासकर रक्षा , ऊर्जा और व्यापार के क्षेत्र में दोनों देशों के रिश्तों को और मज़बूत करना है। यह बैठक भारत–रूस की लंबे समय से चली आ रही दोस्ती का एक और अध्याय है जो एक मुश्किल वैश्विक माहौल के बीच साझा हितों और आपसी सम्मान को दर्शाता है।

पीएम मोदी और पुतिन की चर्चा

पीएम मोदी ने यूक्रेन संकट पर राष्ट्रपति पुतिन से कहा– भारत निष्पक्ष नहीं, बल्कि शांति का पक्षधर

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दो दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। पीएम मोदी के न्योते पर पुतिन भारत आए हैं। रूसी राष्ट्रपति का विमान गुरुवार शाम दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर लैंड हुआ था। दोनों देशों के बीच कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर होंगे।

मोदी ने गले लगाकर किया दोस्त पुतिन का स्वागत

नई दिल्ली,एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे का आज दूसरा दिन है। पुतिन का शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति भवन में जोरदार स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। भारत–रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन भी होगा, जहां दोनों नेता प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करेंगे। समिट के बाद पुतिन त्ज के नए इंडिया चैनल का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उनके सम्मान में राजकीय भोज आयोजित करेंगी।

पीएम मोदी और पुतिन की महत्वपूर्ण बातचीत

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "हमारा शिखर सम्मेलन अनेक परिणामों के साथ जारी है। आपकी यात्रा बहुत ऐतिहासिक है। 2001 में आपके कार्यभार संभालने और पहली बार भारत आने के बाद से आज 25 वर्ष हो गए हैं। उस पहली यात्रा में ही रणनीतिक साझेदारी की मजबूत नींव रखी गई थी। मुझे व्यक्तिगत रूप से भी अत्यंत प्रसन्नता है कि आपके साथ मेरे व्यक्तिगत संबंधों ने भी 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। मेरा मानना है कि 2001 में आपने जो भूमिका निभाई, वह इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि एक दूरदर्शी नेता कैसे शुरुआत करता है और संबंधों क ा `कहाँ तक ले जा सकता है।"

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपने प्रिय मित्र रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पालम एयरपोर्ट पर गर्मजोशी से गले लगाकर रिसीव किया। इसके उपरांत एक गाड़ी में सवार होकर 7 लोक कल्याण मार्ग – आधिकारिक प्रधानमंत्री आवास के लिए प्रस्थान किया, जहां पर राष्ट्रपति पुतिन के सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन किया गया साथ ही यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्रपति पुतिन को श्रीमद्भगवद्गीता उपहार स्वरूप भेंट की।

पुतिन ने राजघाट पर महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राजघाट पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की।

पुतिन को दिया गया गार्ड आफ आनर

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को राष्ट्रपति भवन में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

राष्ट्रपति भवन में पुतिन का स्वागत

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में पहुंचे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका स्वागत किया।

राष्ट्रपति भवन में जोरों पर पुतिन के औपचारिक स्वागत की तैयारी

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में व्लादिमीर पुतिन के स्वागत की तैयारियां चल रही हैं, जहां रूसी राष्ट्रपति का चार वर्षों में पहली बार भारत दौरे पर औपचारिक स्वागत किया जाएगा।

7 लोक कल्याण मार्ग में एक पल जिसने सिर्फ दो नेताओं की मुलाकात नहीं बल्कि दो सभ्यताओं के बीच एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संवाद की शुरुआत कर दी । प्रधानमंत्री छंतमदकतं डवकप ने रूस के राष्ट्रपति Vladimir Putin को रूसी भाषा में अनूदित Bhagavad Gita की प्रति भेंट की। इस मौके पर पीएम मोदी ने X पर एक तस्वीर के साथ लिखा, "राष्ट्रपति पुतिन को गीता की एक कॉपी रूसी भाषा में भेंट की। गीता की शिक्षाएं दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरणा देती हैं।"

पुतिन के स्वागत के लिए राष्ट्रपति भवन पहुंचे पीएम मोदी

व्नजपद टपेपज ज्व प्दकपं स्पअम न्चकंजमेः रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के औपचारिक स्वागत से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति भवन पहुंचे। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने उनका स्वागत किया।

भारत–रूस शिखर सम्मेलन में इन चीजों पर रहेगा फोकस

23वें भारत–रूस शिखर सम्मेलन में रक्षा सहयोग को मजबूत करना, बाहरी दबावों से द्विपक्षीय व्यापार को सुरक्षित रखना और स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर पर सहयोग के नए रास्ते तलाशना मुख्य एजेंडा रहेगा। बातचीत के दौरान भारत रूस से कच्चे तेल के भारी आयात के कारण बढ़ते व्यापार घाटे पर चिंता जताएगा।

यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब अमेरिका ने रूस से भारत की तेल खरीद पर भारी टैरिफ लगाकर नई दिल्ली–वॉशिंगटन संबंधों में तनाव बढ़ा दिया है, और इसी प्रभाव पर भी चर्चा होगी। पुतिन यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका की हालिया पहलों की जानकारी प्रधानमंत्री मोदी के साथ साझा करेंगे। भारत लगातार वार्ता और कूटनीति को ही समाधान मानता आया है। ऊर्जा सहयोग भी केंद्र में रहेगा, क्योंकि ताजा अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत के तेल आयात घटने पर रूस ने कच्चे तेल पर अतिरिक्त छूट देने की पेशकश की है।

पीएम मोदी-पुतिन का दोस्ताना

आपके भारत दौरे से मैं निजी तौर पर भी बहुत खुश हूं कि आपके साथ मेरे रिश्तों ने भी 25 साल पूरे कर लिए हैं। भारत और रूस के आर्थिक संबंधों का अधिक विस्तार हो। हम नई-नई ऊंचाईयों को प्राप्त करें।

- पीएम नरेंद्र मोदी

पिछले कुछ वर्षों में आपने हमारे रिश्ते को बेहतर बनाने के लिए बहुत काम किया। हम हाई-टेक एयरक्राफ्ट, स्पेस एक्सप्लोरेशन और एआई समेत सहयोग के लिए और भी क्षेत्र खोल रहे हैं।

- व्लादिमीर पुतिन

चंचूड. सिंह की पुश्तैनी हवेली

करोड़ों की इस जायदाद को रिश्तेदारों ने हड़पा

एंटरटेनमेंट डेस्क। चंद्रचूड़ सिंह ने 1996 में "तेरे मेरे सपने" से बॉलीवुड मे डेब्यू किया था. हालांकि उन्हें 2000 में आई शाहरुख खान और ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ आई फिल्म "जोश" से पॉपुलैरिटी मिली थी. फिलहाल 57 साल के एक्टर इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं लेकिन अपनी फिल्मों की वजह से नहीं. दरअसल इन दिनों वे उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में अपनी 1855 की पैतृक हवेली जलालपुर एस्टेट और अन्य प्रॉपर्टीज को लेकर विवाद में उलझे हुए हैं. दरअसल उन्होंने आरोप लगाया कि उनके अपने ही परिवार के सदस्य उनकी पैतृक संपत्ति पर अवैध रूप से कब्ज़ा करने की कोशिश कर रहे हैं.

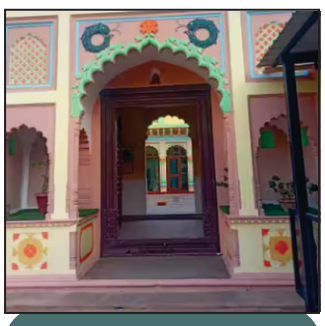

चंद्रचूड़ सिंह अपनी पुश्तैनी हवेली को लेकर विवाद में हैं. दरअसल एक्टर ने दावा किया है कि रिश्तेदार उनकी पुश्तैनी हवेली पर कब्जा करने की कोशिश में हैं।

मां संग जिला मजिस्ट्रेट के ऑफिस पहुंचे थे चंद्रचूड

बता दें कि चंद्रचूड़ के भाई अभिमन्यु सिंह एक फिल्म मेकर हैं. चंद्रचूड़ ने बताया कि उनका बचपन अलीगढ़ में बीता, जहां उस समय पूरा परिवार साथ रहता था. हालांकि, उनके चाचा की मृत्यु के बाद, उनका आरोप है कि उनकी पुश्तैनी हवेली को बेचने की साज़िश रची जा रही है. बुधवार, 3 दिसंबर को, चंद्रचूड़ अपनी मां के साथ जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय गए, जहां उन्होंने प्रॉपर्टी विवाद से जुड़ी सारी जानकारी दी.

चंद्रचूड की पुश्तैनी हवेली की कीमत करोड़ों में है

अभिनेता अलीगढ़ के खैर कस्बे से पूर्व विधायक बलदेव सिंह के बेटे हैं, जबकि उनकी मां कृष्णा कुमारी देवी वर्तमान ओडिशा के पटना रियासत के राजघराने से ताल्लुक रखती हैं. उनकी हवेली, जिसे हवेली जलालपुर एस्टेट 1855 के नाम से जाना जाता है, को कल्याण भवन भी कहा जाता है. इस हवेली की कीमत करोड़ों रुपये में बताई जाती है.

चंद्रदूड सिंह की पुश्तैनी हवेली की तस्वीरें

चंद्रचूड़ सिंह की पुश्तैनी हवेली की इनसाइड तस्वीरें आपको हैरान कर देंगी. ये हवेली अंदर से काफी बड़ी है।

तलाक रूमर्स पर दिव्या ने तोड़ी चुप्पी

'बालीवुड मगरमच्छों से भरा है'

रेडिट पर "आस्क मी एनीथिंग" करते हुए दिव्या ने कहा, "बॉलीवुड मगरमच्छों से भरा है." जब एक सोशल मीडिया यूज़र ने पूछा, "बॉलीवुड में इतनी ज़हरीली चीज़ों, एक ख़ास तरह दिखने के दबाव और ऐसी ही कई चीज़ों के बीच आप अपना मेंटल हेल्थ कैसे बनाए रखती हैं? आप मुझे हमेशा बहुत पॉजिटिव और बच्चों जैसी मासूम लगती हैं," तो दिव्या ने जवाब दिया, "मुझे खुद लगता है कि बॉलीवुड एक ऐसी जगह है जहां चारों तरफ मगरमच्छ हैं, और आपको लगता है कि आपको इनमें से अपना रास्ता निकालना ही होगा."

एक हफ्ते का बायफ्रेंड बनेगा क्या'

गौरव खन्ना ने फरहाना को लेकर कह दी ऐसी बात, होने लगे जमकर ट्रोल

बिग बॉस १९ में बीती रात ओपन माइक नाइट का आयोजन किया गया. इस दौरान कंटेस्टेंट्स ने एक-दूसरे का जमकर मजाक उड़ाया और खूब जोक्स मारे. लेकिन, गौरव के बयान से सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया है।

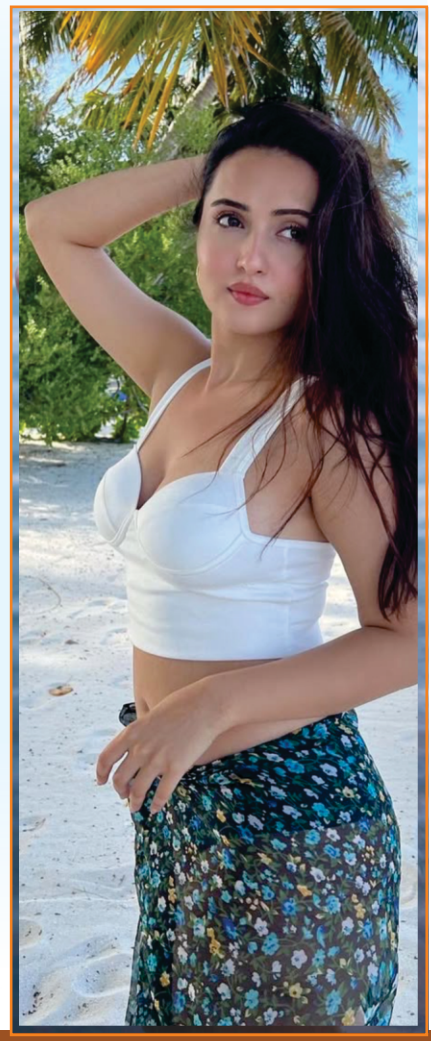

एंटरटेनमेंट डेस्क। सलमान खान के विवादित शो 'बिग बॉस 19' के ग्रैंड फिनाले में महज कुछ ही दिन बचे हुए हैं. इन दिनों घर में खूब ड्रामा देखने को मिल रहा है. अब इसी बीच शो के लेटेस्ट एपिसोड को देख हर कोई हैरान रह गया.बीती रात बिग बॉस के घर में ओपन माइक नाइट का आयोजन किया गया था, जहां सभी कंटेस्टेंट्स एक–दूसरे पर जोक्स मारते नजर आए. लेकिन, सोशल मीडिया पर गौरव खन्ना के एक बयान ने सनसनी मचा दी है. उसकी वजह से एक्टर जमकर ट्रोल भी हो रहे हैं. तो चलिए जानते हैं आखिर गौर ने क्या कहा है, जो इतना हंगामा मच गया है.दरअसल, रोस्ट सेशन के दौरान गौरव खन्ना ने फरहाना भट्ट को लेकर ऐसा कॉमेंट कर दिया है, जिसे सुनकर हर कोई भड़क गया.

गौरव ने खोली फरहाना की पोल

गौरव ने कहा,'वो चीजों को अलग नजरिए से दखती हैं. वो चाहती हैं कि यहां पर जितने भी हम बैठे हैं, वो यहां पर भी उनको जॉब ऑफर दे देती हैं. स्टार्टिंग में अगर आपने शो देखा हो,तो हमारा एक बहुत ही फ्री दोस्त (अभिषेक बजाज) था. फरहाना ने उसको एक माइंड ब्लोइंग ऑफर दिया था कि एक हफ्ते का बॉयफ्रेंड बनेगा क्या. लेकिन वो ऑफर के बाद ट्रांसफर हुआ बसीर अली को.'

गौरव के इस बयान ने सोशल मीडिया पर सनसनी मजा दी है. सोशल मीडिया यूजर्स गौरव पर फरहाना का कैरेक्टर असैसिनेट करने का इल्जाम लगाया, यानी उनकी इमेज खराब करने का.बता दें ओपन माइक नाइट के दौरान गुरलीन पन्नू, सुमैरा शेख और कुल्लू गेस्ट बनकर पहुंचे थे. इनके अलावा अमाल मलिक, गौरव खन्ना, प्रणित मोरे, तान्या मित्तल, फरहाना भट्ट जैसे कंटेस्टेंट थे. 'बिग बॉस 19' को उसके टॉप 5 कंटेस्टेंट मिल चुके हैं. मिड वीक एविक्शन में मालती चाहर घर से बाहर जा चुकी हैं. जल्द ही इस सीजन को उसका विनर मिलने वाला है. कयास लगाया जा रहा है कि गौरव खन्ना इस बार ट्रॉफी अपने नाम कर सकते हैं।

कपिल शर्मा की ऑनस्क्रीन बीवी चलाती हैं बड़ा बिजनेस

बाल बेचकर कर रही करोड़ों में कमाई

कपिल शर्मा की फिल्म किस किस को प्यार करूं 2 चर्चा में बनी है. इस फिल्म में एक्ट्रेस पारुल गुलाटी भी नजर आने वाली हैं. पारुल गुलाटी अपना एक बिजनेस भी चलाती हैं।

पारुल गुलाटी का बिजनेस

मुम्बई,एजेंसी। इंडस्ट्री में ऐसी कई एक्ट्रेसेस हैं जो बिजनेस भी कर रही हैं. दीपिका पादुकोण, कैटरीना कैफ और कृति सेनन सहित कई एक्ट्रेस ब्यूटी और स्किन केयर प्रोडक्ट्स बेचती हैं. एक्ट्रेस पारुल गुलाटी भी अपना बिजनेस चलाती है. पारुल गुलाटी जाना–पहचाना नाम हैं. वो जल्द ही कॉमेडियन कपिल शर्मा की फिल्म किस किस को प्यार करूं 2 में नजर आने वाली हैं. आइए जानते हैं पारुल के बिजनेस के बारे में।

पारुल गुलाटी का बिजनेस

पारुल गुलाटी ने 2017 में अपनी कंपनी निश हेयर शुरू की थी. उन्होंने ये बिजनेस सिर्फ 30 हजार में शुरू किया था. उनका ये बिजनेस तब से अब तक काफी ग्रो किया है. वो हेयर एक्सटेंशन, हेयर टॉपर और विग बेचती हैं. पारुल का या ब्रांड काफी पॉपुलर है. 2023 में वो शार्क टैंक इंडिया 2 में नजर आई थीं. इस दौरान की उनकी पिच काफी वायरल हुई थी. उस वक्त पारुल ने कहा था आने वाले साल में वो 5 करोड़ रुपये के प्रोडक्ट बेचेंगी. शार्क पारुल के कॉन्फिडेंस और प्रोडक्ट से काफी इंप्रेस हुए थे.

industry tracker TraÛcn की रिपोर्ट के मुताबिक, पारुल की कंपनी निश हेयर की वर्थ 50 करोड़ से ज्यादा है. निश हेयर के अलावा पारुल ने गोवा में होस्टल भी शुरू किया है. इसका नाम मालकिन होस्टल रखा है. ये होस्टल जुलाई महीने में शुरू हुआ था.

पारुल गुलाटी की एक्टिंग जर्नी

पारुल के एक्टिंग करियर की बात करें तो उन्होंने 2009 में डेब्यू किया था. वो शो ये प्यार ना होगा कम में नजर आई थीं. इस शो में यामी गौतम और गौरव खन्ना लीड रोल में थे. इसके बाद वो द रायकर, ल्वनत भ्वदवनत, गर्ल्स होस्टल जैसे शोज में दिखीं. अब वो फिल्म किस किस को प्यार करूं 2 में दिखेंगी. इस फिल्म में कपिल शर्मा लीड रोल में हैं. त्रिधा चौधरी, आयशा खान, मनजोत सिंह जैसे स्टार्स हैं. फिल्म वो कपिल की पत्नी के रोल में हैं।

अश्विन की जुबान फिसली!

2027 विश्वकप के लिए अपनी भारतीय टीम में कप्तान गिल को रखना ही भूले, बाद में मांगी माफी

स्पोर्ट्स डेस्क। यह मामला दर्शाता है कि आज के डिजिटल दौर में क्रिकेटरों की एक गलत बयानबाजी कितनी तेजी से वायरल हो जाती है। हालांकि, अश्विन की तुरंत मांगी गई माफी और स्पष्टीकरण ने विवाद को बड़ा होने से रोक दिया।

भारतीय ऑफ–स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि उन्होंने 2027 वनडे वर्ल्ड कप की चर्चा के दौरान टीम इंडिया के टॉप–4 बैटर्स की लिस्ट में से कप्तान शुभमन गिल का नाम भूल गए। सोशल मीडिया पर शुरू हुई इस बहस के बाद अमर उजाला ने इस दावे की फैक्ट–चेक की और पाया कि यह बात सही है और अश्विन गिल का नाम वास्तव में पहले भूल गए थे। हालांकि, बाद में उन्होंने इसे तुरंत सुधार भी दिया।

क्या कहा था अश्विन ने?

अपने यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान अश्विन ने भारत के संभावित शीर्ष बल्लेबाजों के नाम गिनाते हुए कहा, 'अगर श्रेयस अय्यर वापसी करते हैं तो विश्व कप के लिए वह एक क्वालिटी नंबर–चार हैं। ऋतुराज गायकवाड़ को रोहित शर्मा और विराट कोहली के साथ उपयोग किया जा सकता है। अगर विराट ओपनिंग करें तो ऋतुराज और श्रेयस भी फिट हो सकते हैं।' इस दौरान उन्होंने

शीर्ष–चार के लिए रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और ऋतुराज गायकवाड़ का नाम तो लिया, लेकिन कप्तान शुभमन गिल का नाम छूट गया।

अश्विन ने मान ली गलती

कुछ ही सेकंड बाद अश्विन ने खुद अपनी गलती महसूस की और कहा, 'सॉरी, मैं शुभमन गिल का नाम भूल गया था। यह उनके साथ बिल्कुल भी न्याय नहीं है। टीम इंडिया में स्थान को लेकर काफी मुकाबला है, लेकिन मैं चाहता हूं कि ऋतुराज को भी बराबर मौका मिले।'

सोशल मीडिया पर कैसी प्रतिक्रिया?

वीडियो सामने आने के बाद कई यूजर्स ने गिल पर तंज कसा, वहीं, कुछ यूजर्स ने वीडियो शेयर करके अश्विन के चयन पर सवाल उठाए? वहीं कुछ लोगों ने अश्विन के तुरंत माफी मांगने की तारीफ भी की।

शुभमन गिल अभी टीम से बाहर

नियमित वनडे कप्तान शुभमन गिल इस समय चोट के कारण भारतीय टीम में शामिल नहीं हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में उनकी गर्दन में चोट लगी थी, जिसके बाद से वह टीम से बाहर हैं। उनकी जगह पहले दो वनडे में यशस्वी जयसवाल ने रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग की। वहीं, उपकप्तान श्रेयस भी फिलहाल चोट से उबर रहे हैं। इन दोनों की गैरमौजूदगी में केएल राहुल वनडे सीरीज में टीम की कमान संभाल रहे हैं।

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप घोषित

स्पेन–पुर्तगाल समेत ये बड़ी टीमें ग्रुप आफ डेथ में, 19 जुलाई को होगा फाइनल

स्पोर्ट्स डेस्क। फीफा विश्व कप 2026 हर मायने में ऐतिहासिक होने वाला है। इस बार सबसे अधिक टीमें, कई नए देश, बड़े स्टार और भव्य आयोजन इस टूर्नामेंट में चार चांद लगाएगा। फुटबॉल प्रेमियों के लिए यह टूर्नामेंट रोमांच और जुनून से भरा महोत्सव साबित होगा। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप औपचारिक रूप से घोषित कर दिए गए हैं। यह घोषणा वॉशिंगटन डीसी में आयोजित भव्य ड्रॉ समारोह के दौरान हुई। इसी के साथ दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट के कार्यक्रम से पर्दा उठ गया। इस बार विश्व कप का उद्घाटन मुकाबला 11 जून 2026 को मेक्सिको सिटी में खेला जाएगा, जिसमें मेजबान देश मेक्सिको और दक्षिण अफ्रीका आमने–सामने होंगे। यह पहला मौका होगा जब तीन देश अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा, साझा रूप से विश्व कप का आयोजन कर रहे हैं। यह ड्रॉ पूरी तरह सितारों से सजा हुआ कार्यक्रम था।

मंच पर खेल जगत और मनोरंजन जगत की कई जानी–मानी हस्तियों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध कलाकारों और संगीतकारों की प्रस्तुतियों ने समारोह को दुनिया भर में खास बना दिया।

ड्रॉ समारोह में चकाचौंध और सितारों की मौजूदगी

कार्यक्रम के दौरान 12 ग्रुपों की घोषणा की गई, जिसका संचालन इंग्लैंड और मैनचेस्टर यूनाइटेड के दिग्गज फुटबॉलर रियो फर्डिनेंड ने किया, जबकि उनके साथ बास्केटबॉल सुपरस्टार शकील ओ'नील, एनएफएल के महान खिलाड़ी टॉम ब्रैडी, आइस हॉकी के दिग्गज वेन ग्रेट्जकी और बेसबॉल स्टार एरॉन जज सहायक के रूप में मौजूद रहे। इसके अलावा कार्यक्रम में हास्य कलाकार केविन हार्ट, अभिनेत्री हाइडी क्लम और अभिनेता डैनी रामिरेज ने मेजबानी की। इस स्टार–स्टडेड शो को मशहूर गायक आंद्रेया बोचेली और कलाकारों रॉबी विलियम्स, निकोल शेरजिंगर, लॉरिन हिल और विलेज पीपल की प्रस्तुतियों ने और खास बना दिया, जिसने दुनिया भर में दर्शकों का मन मोह लिया।

उत्साह बढ़ाने वाले मुकाबले

गत चैंपियन अर्जेंटीना को ग्रुप जे, स्पेन को ग्रुप एच, फ्रांस को आई, जर्मनी को ग्रुप ई, पुर्तगाल को ग्रुप के और इंग्लैंड को ग्रुप एल में रखा गया है। ग्रुप–एच, ग्रुप आई, ग्रुप–जे, ग्रुप–के और ग्रुप–एल को ग्रुप ऑफ डेथ माना जा रहा है।

स्पेन के साथ ग्रुप में उरुग्वे और सउदी अरब जैसी टीम है, जिसने पिछले विश्व कप में कुछ उलटफेर किए थे। वहीं, फ्रांस के ग्रुप में सेनेगल और नॉर्वे जैसी टीमें हैं। पुर्तगाल को उज्बेकिस्तान और कोलंबिया जैसी टीमों के ग्रुप में रखा गया है। इंग्लैंड के ग्रुप में घाना, क्रोएशिया और पनामा है। इसके अलावा इस बार के टूर्नामेंट में केप वर्डे, कुराकाओ, जॉर्डन और उज्बेकिस्तान जैसी नई टीमें भी शामिल हैं, जो सीधे दिग्गज टीमों से भिड़ेंगी। ड्रॉ के बाद कई मुकाबले चर्चा में आ गए हैं।

ब्राजील और मोरक्को के बीच मैच, नीदरलैंड और जापान के बीच मैच, बेल्जियम और मिस्र के बीच मैच, स्पेन और उरुग्वे के बीच मैच, फ्रांस और नॉर्वे के बीच मैच, इंग्लैंड और क्रोएशिया के बीच मैच और पुर्तगाल और कोलंबिया के बीच मुकाबले में कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।

हली–रोहित नहीं, 14 साल के वैभव बने भारत में इस साल के सबसे ज्यादा सर्च किए गए क्रिकेटर

स्पोर्ट्स डेस्क। वैभव सूर्यवंशी का उभार भारतीय क्रिकेट के लिए नया अध्याय खोलता है। मात्र 14 वर्ष की उम्र में उन्होंने ऐसे रिकॉर्ड बनाए हैं, जिन पर बड़े–बड़े दिग्गजों की नजरें टिक गई हैं।

गूगल सर्च सूची में शीर्ष पर पहुंचना इस बात का संकेत है कि भारतीय क्रिकेट के भविष्य के सितारे अब मैदान पर ही नहीं, प्रशंसकों के दिलों में भी अपनी जगह बना रहे हैं। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा दुनिया के सबसे लोकप्रिय क्रिकेटरों में शामिल हैं। हालांकि, टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अब वे केवल वनडे क्रिकेट में सक्रिय हैं। ऐसे में जब उनके करियर के भविष्य को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही हैं, तब चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है।

साल 2025 में भारत में सबसे ज्यादा खोजे जाने वाले क्रिकेट व्यक्तित्वों की सूची में न तो विराट कोहली थे और न ही रोहित शर्मा। इस सूची में शीर्ष पर रहा मात्र 14 साल का युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी, जिसने अपने प्रदर्शन और रिकॉर्ड ब्रेकिंग बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया।

IPL में धाक जमाने के बाद हुआ प्रसिद्धि का विस्फोट

वैभव सूर्यवंशी की लोकप्रियता का बड़ा कारण उनका आईपीएल 2025 में किया गया प्रदर्शन रहा। राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा था और उन्होंने इस भरोसे को शानदार तरीके से पूरा किया। सूर्यवंशी ने सिर्फ सात मैचों में 252 रन बनाए और तेजी से क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बन गए। उनका सबसे यादगार प्रदर्शन गुजरात टाइटंस के खिलाफ आया, जहां उन्होंने सिर्फ 35 गेंदों में आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज और भारतीय खिलाड़ियों में सबसे तेज शतक लगाया। इस पारी में उन्होंने 38 गेंदों पर 101 रन बनाए और स्ट्राइक रेट 205 से ज्यादा रहा।

भारत के अन्य युवा सितारों ने भी बनाई जगह

वैभव सूर्यवंशी के बाद सूची में दूसरे और तीसरे स्थान पर युवा खिलाड़ी प्रियांश आर्या और अभिषेक शर्मा रहे। प्रियांश आर्या ने पंजाब किंग्स की ओर से शानदार सीजन खेलते हुए 17 मैचों में 475 रन बनाए, जिससे टीम फाइनल तक पहुंची। उन्होंने भी आईपीएल 2025 में एक जोरदार शतक जड़ा था। उनकी यह पारी चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आई थी।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद–विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

मोहम्मद सिराज के रेस्टोरेंट पहुंचे भारतीय क्रिकेटर

हैदराबाद में भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद सिराज के रेस्टोरेंट पहुंचे, जहां उनके टीममेट्स मोहम्मद शमी, आकाशदीप और मुकेश भी मौजूद रहे।